

“पुस्तकें पढ़ने से हमें ज्ञान मिलता है और हमें अपने जीवन में उसे प्रयोग करने में मदद मिलती है, इसलिए हमें पुस्तकें पढ़नी चाहिए और उनसे सीखनी चाहिए।”
— पुस्तकें 3:16 (ERV-Hindi)

पुस्तकें पढ़ें और जानें कि पुस्तकें क्यों हैं

पुस्तकें हमें ज्ञान देती हैं और हमें अपने जीवन में उसे प्रयोग करने में मदद मिलती है, इसलिए हमें पुस्तकें पढ़नी चाहिए और उनसे सीखनी चाहिए।

“हम अपने जीवन में ज्ञान को प्रयोग करने में मदद के लिए पुस्तकें पढ़ते हैं और उनसे सीखते हैं।”
— पुस्तकें 14:4 (ERV-Hindi)

हम अपने जीवन में ज्ञान को प्रयोग करने में मदद के लिए पुस्तकें पढ़ते हैं और उनसे सीखते हैं, इसलिए हमें पुस्तकें पढ़नी चाहिए और उनसे सीखनी चाहिए (पुस्तकें 19:16)।
हमें अपने जीवन में ज्ञान को प्रयोग करने में मदद के लिए पुस्तकें पढ़नी चाहिए और उनसे सीखनी चाहिए।

क्या आपका जीवन सचमुचे में बदल जाएगा?

“तुम जो भी करो, करो सचमुचे में। तुम जो भी सोचो, सोचो सचमुचे में। तुम जो भी कहो, कहो सचमुचे में। तुम जो भी करो, करो सचमुचे में। तुम जो भी सोचो, सोचो सचमुचे में। तुम जो भी कहो, कहो सचमुचे में।”
— 14:9 (ERV-Hindi)

1,000 साल का राजवंश का आरंभ

हमारे जीवन में एक ऐसा समय आने वाला है, जो हमारे जीवन को बदल देगा। यह समय है 1,000 साल का राजवंश (Millennial Kingdom) का आरंभ। यह समय है जब हमारे जीवन में एक ऐसा बदलाव आएगा, जो हमारे जीवन को बदल देगा। यह समय है जब हमारे जीवन में एक ऐसा बदलाव आएगा, जो हमारे जीवन को बदल देगा। यह समय है जब हमारे जीवन में एक ऐसा बदलाव आएगा, जो हमारे जीवन को बदल देगा।

“तुम जो भी करो, करो सचमुचे में। तुम जो भी सोचो, सोचो सचमुचे में। तुम जो भी कहो, कहो सचमुचे में। तुम जो भी करो, करो सचमुचे में। तुम जो भी सोचो, सोचो सचमुचे में। तुम जो भी कहो, कहो सचमुचे में।”
— 20:4 (ERV-Hindi)

क्या आपका जीवन सचमुचे में बदल जाएगा? क्या आपका जीवन सचमुचे में बदल जाएगा? क्या आपका जीवन सचमुचे में बदल जाएगा? क्या आपका जीवन सचमुचे में बदल जाएगा? क्या आपका जीवन सचमुचे में बदल जाएगा? क्या आपका जीवन सचमुचे में बदल जाएगा?

